

दि कल्याण जनता सहकारी बँक लि. (मल्टीस्टेट शेडयुल्ड बँक)

५ २ व्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त

रविवार, दि. ०३.०८.२०२५ रोजी बँकेची ५२ वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा नवरंग बँकवेट हॉल, बैलबाजार, कल्याण (पश्चिम) येथे सकाळी १०.०० वाजता आयोजित करण्यात आली होती.

सकाळी ठीक १०.०० वाजता मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी जाहीर केले की, सभेस आवश्यक ती गणसंख्या नाही, सबब, सभा अर्धा तास तहकुब केली जात आहे. सदर सभा अर्ध्या तासानंतर म्हणजे सकाळी ठीक १०.३० वाजता सुरु होईल व त्या सभेस गणसंख्येचे बंधन असणार नाही. त्यानंतर, सकाळी ठीक १०.३० वाजता सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली. मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी सर्व उपस्थितांचे हार्दिक स्वागत करून सभेची सूचना वाचून दाखविली.

सभेच्या सुरुवातीस मा. अध्यक्ष, श्री. यशवंत पांगारकर यांनी सर्व सभासदांचे स्वागत केले.

यानंतर, मा. अध्यक्षांनी, बँकेचे उपाध्यक्ष, मा. श्री. मंगेश पाटील यांना दुखवट्याचा ठराव मांडण्याची विनंती केली.

ठराव क्र. १ : दुखवट्याचा ठराव -

दुखवट्याचा ठराव मांडताना सुरुवातीस बँकेचे संस्थापक संचालक आणि बँकेचे माजी अध्यक्ष प्रा. अशोक प्रधान यांना श्रद्धांजली वाहण्यात आली व प्रधान सरांच्या कार्याचा अल्प परिचय करून देण्यात आला. त्यानंतर, दुखवट्याचा ठराव मांडण्यात आला.

मागिल वार्षिक सर्वसाधारण सभेपासून ह्या वर्षाच्या सर्वसाधारण सभेपर्यंत ज्या मान्यवरांचे व बँकेच्या सन्माननीय सभासदांचे निधन झाले त्यांना ५२ वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा श्रद्धांजली वाहत आहे.

बँकेचे संस्थापक संचालक आणि माजी अध्यक्ष - अशोक प्रधान, भारताचे माजी पंतप्रधान, पद्मविभूषण - डॉ. मनमोहन सिंग, माजी केंद्रीय मंत्री आणि महाराष्ट्राचे माजी राज्यपाल - एस.एम.कृष्णा, नांदेडचे खासदार - वसंतराव चव्हाण, माजी परराष्ट्रमंत्री - के. नटवरसिंह, ज्येष्ठ नेते आणि माजी आदिवासी विकास मंत्री - मधुकरराव पिचड, शिवसेनेचे माजी खासदार - सतीश प्रधान, शिवसेनेचे माजी राज्यसभा खासदार, चित्रपट निर्माते, लेखक आणि पत्रकार - प्रितीश नंदी, माकप नेते व माजी खासदार - कॉम्प्रेड लहानू कोम, ठाण्याचे माजी महापौर - अशोक राऊळ, अंबरनाथच्या माजी नगराध्यक्षा - पूर्णिमा कबरे, भारतीय जनता पक्षाचे माजी जिल्हाध्यक्ष - दिनेश तावडे, माजी निवडणूक मुख्य आयुक्त - नवीन चावला, मुंबई उच्च न्यायालयाच्या औरंगाबाद खंडपीठाचे माजी न्यायमूर्ती - नरेंद्र चपळगावकर, विनोदी कलावंत - विजय कदम, प्रसिद्ध गायक - दिनकर प्रल्हाद शिंदे, ज्येष्ठ अभिनेत्री - सुहासिनी देशपांडे, किराणा घराण्याचे ज्येष्ठ संगीतकार हार्मानियम वादक सुरमणी पंडित - अनंत केमकर, ज्येष्ठ तबलावादक - शेखर खांबेटे, ज्येष्ठ छायाचित्रकार आणि चित्रपट निर्माते - विजय मुंडशिंगीकर, प्राध्यापक आणि प्रसिद्ध ललित लेखक - भालचंद्र महाबल, प्रसिद्ध चित्रपट लेखक, गीतकार व अभिनेते - मंगेश कुलकर्णी, ज्येष्ठ लेखिका, समिक्षक आणि संवादक - डॉ. वीणा देव, भारतीय विद्यार्थी सेनेचे माजी अध्यक्ष - राजन शिरोडकर, संयुक्त महाराष्ट्राच्या लढ्यातील सक्रीय शाहीर - मधुकर नराळे, प्रसिद्ध तबलावादक पद्मविभूषण - उस्ताद झाकीर हुसेन, केंद्र सरकारचे माजी मुख्य वैज्ञानिक सल्लागार, अणुशास्त्रज्ञ,

पद्मविभूषण - डॉ. राजगोपाल चिंदंबरम, अभिनेते - टिकू तलसानिया, क्रिकेट समीक्षक - द्वारकानाथ संज्ञगिरी, ज्येष्ठ पत्रकार - पंढरीनाथ सावंत, सुप्रसिद्ध पर्यटन उद्योजक - केसरी पाटील, ज्येष्ठ साहित्यिक आणि दूरदर्शनचे माजी वृत्त निवेदक - अनंत भावे, ज्येष्ठ लेखिका - डॉ. मीना प्रभू ज्येष्ठ अभिनेते - डॉ. विलास उजवणे, ज्येष्ठ शास्त्रीय गायक - श्रीपाद पराडकर, इखोचे माजी अध्यक्ष ज्येष्ठ अवकाश शास्त्रज्ञ - डॉ. कृष्णास्वामी कस्तुरीरंगन, ज्येष्ठ अभिनेते - माधव वळे, मुंबईचे माजी रणजीपटू - विजय कारखानिस, प्रसिद्ध भारतीय खगोलशास्त्रज्ञ - डॉ. जयंत नारळीकर, अणुशास्त्रज्ञ आणि अणुर्जा आयोगाचे माजी अध्यक्ष - एम.आर.श्रीनिवासन, अभिनेते - मुकुल देव, ज्येष्ठ विचारवंत लेखक - दाजी पणशीकर, अरण्यऋषी, ज्येष्ठ साहित्यिक पद्मश्री - मारुती चितमपल्ली, डावखुरे माजी फिरकी गोलंदाज - दिलीप दोशी, लोकमान्य टिळकांचे पणतू व टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठाचे कुलपती - डॉ. दिपक टिळक, राष्ट्रसेविका समितीच्या माजी चतुर्थ प्रमुख संचालिका - प्रमिलाताई मेढे.

दिवंगत सभासदांची यादी

| अनु. क्र. | सभासद क्रमांक | नाव |
|-----------|---------------|----------------------------|
| 1 | 42904 | जोशी माधव मधुसूदन |
| 2 | 24843 | शेंडी प्रशांत संजीव |
| 3 | 26012 | जोशी नामदेव बळराम |
| 4 | 16616 | हनुमान रघुरामराव चंद्रकांत |
| 5 | 24321 | शिरोडकर दिगंबर पांडुरंग |
| 6 | 19694 | कुराडे सूर्यभान वलीबा |
| 7 | 4554 | परदेशी गोपीनाथ दुर्गा |
| 8 | 30550 | सराफ निमला सुरेश |
| 9 | 35922 | खर्चे वनिता बारसु |
| 10 | 16637 | पवार राजेश बालाराम |
| 11 | 41095 | पार्ट प्रकाश महादेव |
| 12 | 19522 | वाळंज अरुण गणू |
| 13 | 13735 | सरनोबत प्रकाश शंकर |
| 14 | 7667 | घोगे रत्नाकर काशिनाथ |
| 15 | 6560 | हजारे अमरनाथ दत्तात्रेय |
| 16 | 3863 | निकुंभ बळीराम धनाजी |
| 17 | 18932 | पळणीटकर महेंद्र श्रीपाद |
| 18 | 42228 | कांबळे जगन्नाथ एकनाथ |
| 19 | 10585 | गायकवाड प्रशांत कोंडीराम |
| 20 | 37743 | साळी श्रीकांत सुधाकर |
| 21 | 78346 | वर्हेकर राजू दिगंबर |
| 22 | 12251 | पाटील शिवाजी रामदास |
| 23 | 47258 | शेंडी नंदा अनंत |
| 24 | 45867 | बुलचंदानी वाशु भोजोमल |
| 25 | 30356 | गुरव प्रकाश बाबू |
| 26 | 45518 | पांडीकर मुकुंद विनायक |
| 27 | 49533 | जोशी सुनिता गोविंद |

| | | |
|----|-------|------------------------------|
| 28 | 10245 | शुक्ला शिवनरेश बाबादिन |
| 29 | 42237 | कांबळे सुमन जगन्नाथ |
| 30 | 11441 | झेमसे बाळकृष्ण गणेश |
| 31 | 20936 | दलवी प्रकाश नारायण |
| 32 | 76096 | थोरात माया मनोज |
| 33 | 6326 | फाटक रघुनाथ विठ्ठल |
| 34 | 24302 | पाटील त्रिंबक अप्पा |
| 35 | 22865 | शिंदे संपत गणपत |
| 36 | 2917 | कुलकर्णी विलास गणपत |
| 37 | 41967 | गद्वे प्रतिभा पुरुषोत्तम |
| 38 | 68459 | पट्टे राहुल सुभाष |
| 39 | 39378 | मोहिते अशोक पांडुरंग |
| 40 | 45751 | पाटे हेमंत जगन्नाथ |
| 41 | 47252 | बागवे प्रवीण रमेश |
| 42 | 52256 | गोसावी राजेंद्र रामचंद्र |
| 43 | 23983 | खानापूरकर सतीश गोपाळ |
| 44 | 38517 | शिवदास इंद्रायणी अमृतराव |
| 45 | 23477 | आंबटकर विजया अशोक |
| 46 | 20416 | बेहेरे सीमा सुरेश |
| 47 | 41917 | गावकर रमेश गणपत |
| 48 | 14383 | रोडगे अशोक चंद्रकांत |
| 49 | 52778 | जाधव पुष्कर कचरु |
| 50 | 59603 | लहमगे सुरेखा बाळू |
| 51 | 55457 | एम वेणुगोपालन |
| 52 | 7674 | कुलकर्णी प्रभाकर दत्तात्रय |
| 53 | 31622 | जाधव तानाजी अनाजी |
| 54 | 28019 | सासवडकर उमाकांत गणपत |
| 55 | 24015 | जाधव माणिक जानू |
| 56 | 83426 | जाधव संतोष चिंतामण |
| 57 | 57514 | महाजन प्रज्ञा प्रशांत |
| 58 | 13150 | जोशी अशोक रामचंद्र |
| 59 | 44645 | चंद्रभागा तानाजी जाधव |
| 60 | 38726 | पंडित रामचंद्र भिवाजी |
| 61 | 31568 | महाले झानेश्वर रामचंद्र |
| 62 | 46485 | शिपूरकर मनोहर रंगनाथ |
| 63 | 20352 | समानी नानिक नरैनदास |
| 64 | 54549 | मुदलियार नटराजन नारायणस्वामी |
| 65 | 41384 | वाधवा मीरा चेल्लाराम |
| 66 | 43568 | पण्डा गांधी हरी |
| 67 | 40410 | सूर्यराव अनिल दामोदर |
| 68 | 7295 | शही भोजू कर्डीजरा |

| | | |
|-----|-------|-------------------------|
| 69 | 69401 | पारखी अशोक माधव |
| 70 | 4121 | शेषवरे बाळकृष्ण गणपती |
| 71 | 18285 | काटकर अनुराधा शशिकांत |
| 72 | 10018 | ब-हाटे सुनिल पुंडलिक |
| 73 | 23334 | ब-हाटे सुषमा सुनिल |
| 74 | 34927 | गोकावी अजित मार्टिन |
| 75 | 38143 | चव्हाण रघुनाथ बाळू |
| 76 | 34952 | पाटील आत्माराम कान्हू |
| 77 | 31377 | कोळेकर संतोष शंकर |
| 78 | 21222 | कुलकर्णी चंद्रकांत केशव |
| 79 | 8225 | अय्यर राधाकृष्णन जगदिश |
| 80 | 10735 | चव्हाण पावर्ती बावा |
| 81 | 78715 | ओवळेकर जयेश झानेश्वर |
| 82 | 47573 | सोनटक्के अशोक दत्तात्रय |
| 83 | 17266 | कुंभार किशोर सोमनाथ |
| 84 | 24816 | मिनाक्षी व्ही. एन. |
| 85 | 1754 | मंडलिक भास्कर कृष्णा |
| 86 | 2535 | महाजन नारायण आत्माराम |
| 87 | 57940 | कोळे शंकर दादासो |
| 88 | 38833 | भोईर पुंडलिक मंगल |
| 89 | 5619 | कुटे नथू शिवराम |
| 90 | 55030 | चौधरी संजीब जर्तीद्र |
| 91 | 3447 | नामजोशी महेश राजाराम |
| 92 | 82801 | गोडबोले शशिकांत विनायक |
| 93 | 36247 | लाहिरे साहेबराव रतन |
| 94 | 16572 | भोईर कृष्णा सावळाराम |
| 95 | 49749 | गोहिल रेखा सुधीर |
| 96 | 76610 | तुले विनायक मधुकर |
| 97 | 12974 | जाधव जयवंत रघुनाथ |
| 98 | 50788 | आरोळकर मृणालिनी मोहन |
| 99 | 10866 | फडणीस अंजली माधव |
| 100 | 42587 | जुवळे मालिनी मनोहर |
| 101 | 32393 | पाटील अरुण दौलत |
| 102 | 32639 | रोठे अनंत केशव |
| 103 | 77191 | कुलकर्णी माधव शशिकांत |
| 104 | 15708 | गोडसे प्रभाकर श्रीराम |
| 105 | 57159 | बो-हाडे उर्मिला भरत |
| 106 | 17579 | उजवणे विलास बिपिनचंद्र |
| 107 | 5926 | पवार दत्तात्रय रामचंद्र |
| 108 | 36653 | जैन अजित दादमचंद |
| 109 | 24594 | रत्नाकर सुरेश दिगंबर |

| | | |
|-----|-------|---------------------------|
| 110 | 15682 | पांचाळ कृष्णा महादेव |
| 111 | 17973 | कारखानिस स्नेहलता शशिकांत |
| 112 | 47220 | कटयारे प्रकाश विष्णु |
| 113 | 26126 | गोडे सुदाम झिप-या |
| 114 | 39801 | बाफना मीना भबुतमल |
| 115 | 5585 | सोमण श्रीनिवास पांडुरंग |
| 116 | 39593 | केंडे चंद्रकांत आर. |
| 117 | 30582 | सालगिया बाबूलाल सज्जनलाल |
| 118 | 15646 | महाले पुंडलिक एकनाथ |
| 119 | 25898 | शिरापुरी मीना दिलीप |
| 120 | 25296 | कोऱ्डके ज्योत्स्ना वसंत |
| 121 | 19497 | शिरसाट सुमन भास्कर |
| 122 | 19775 | पाळंदे माधवी माधव |
| 123 | 3688 | मोर्ये भगवान रामचंद्र |
| 124 | 120 | काळे शशिकांत लक्ष्मण |
| 125 | 8575 | चोपडे उज्ज्वला अशोक |
| 126 | 18291 | आपटे भरत केशव |
| 127 | 52911 | दुर्वे सुहासिनी अरविंद |
| 128 | 66373 | म्हाळसकर सोपानराव बाबूराव |
| 129 | 76022 | जाधव प्रकाश बाळू |
| 130 | 52471 | माळवदे प्रविण सिताराम |
| 131 | 19326 | वैशंपायन स्नेहलता प्रकाश |
| 132 | 16399 | मोहोड राजेंद्र दौलतराव |
| 133 | 45441 | सोळंकी प्रेमजी नथू |
| 134 | 35354 | पवार मंगल शिवाजी |
| 135 | 31165 | शिंपी अरुण शंकर |
| 136 | 84847 | गोसावी विश्वनाथ नारायण |
| 137 | 18102 | बोरगे श्रीराम नारायण |
| 138 | 56542 | पाटील शोभा विलासराव |
| 139 | 43863 | जाधव अशोक धरमजी |
| 140 | 35056 | शिवदास अमृतराव पांडुरंग |
| 141 | 597 | भिरुड मोहन कृष्णा |
| 142 | 24586 | बिवलकर प्राची प्रकाश |
| 143 | 38648 | पाठक जगन्नाथ दत्तात्रय |
| 144 | 57834 | भावे जयश्री अनंत |
| 145 | 7363 | भोपे गणेश हरी |
| 146 | 51117 | गायकवाड नलिनी गोपाळ |
| 147 | 46005 | बोरचटे गेनभाऊ मारुती |
| 148 | 20889 | कुलकर्णी अविनाश चंद्रशेखर |
| 149 | 78117 | बर्वे मनिषा संदिप |
| 150 | 2098 | चौधरी पंडित नारायण |

| | | |
|-----|-------|-----------------------------|
| 151 | 27060 | घोंगडे संजय रामदास |
| 152 | 41816 | टिळक सतीश विद्याधर |
| 153 | 34857 | बागुल जनार्दन पंजा |
| 154 | 48843 | कोटवानी दौलत जगुमल |
| 155 | 44855 | भानगे बंडू ज्योतिबा |
| 156 | 35020 | पाठक धनंजय शाम |
| 157 | 61498 | सुरले ईश्वर सीताराम |
| 158 | 19206 | देशपांडे प्रकाश मनोहर |
| 159 | 91 | जोशी भालचंद्र विनायक |
| 160 | 15475 | ताम्हणकर रविंद्र दत्तात्रेय |
| 161 | 25680 | देशपांडे सुधाकर वामन |
| 162 | 33671 | वैद्य सुभाष श्रीधर |
| 163 | 17189 | जोशी रामकृष्ण नारायण |
| 164 | 19098 | भोळे सुरेश नारायणराव |
| 165 | 20588 | नारखेडे कृष्ण सदाशिव |
| 166 | 46650 | मोघे श्रीधर दिगंबर |

यानंतर, विषयपत्रिकेवरील विषय सभेपुढे मांडण्यात आले.

विषय क्र. 2: संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2025 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाच्या अहवालाची नोंद घेणे. सन 2025 - 26 च्या अंदाजपत्रकाची नोंद घेणे. तसेच, बँकेची वार्षिक योजना आणि बँकेच्या दीर्घकालीन व्यवसाय दृष्टीकोनाबद्दल माहिती देणे.

बँकेचे अध्यक्ष, मा. श्री. यशवंत पांगारकर यांनी दि. 31.03.2025 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल व सन 2025-26 साठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे दृकश्राव्य माध्यमातून सादर केले.

यानंतर, बँकिंग क्षेत्रातील महत्त्वाच्या घडामोर्डीबद्दलचा आढावा मा. अध्यक्षांनी सभेपुढे मांडला.

रिझर्व्ह बँकेने आर्थिक वर्ष 2025-26 साठी GDP वाढीचा 6.50% अंदाज वर्तविला आहे.

रिझर्व्ह बँकेने आर्थिक वर्ष 2025-26 साठी महागाई दराचा 3.70% अंदाज वर्तवला आहे. जगभरात आर्थिक वाढीबाबत निरुत्त्साही परिस्थिती असली तरीही भारत ही सर्वात वेगाने वाढणारी अर्थव्यवस्था आहे. पुढे मा. अध्यक्ष, श्री. यशवंत पांगारकर सरांनी बँकिंग क्षेत्रातील महत्त्वाच्या घडामोर्डीचा आढावा सभेपुढे मांडला. रिझर्व्ह बँकेने KYC व जोखीम व्यवस्थापन (Risk Management) या संबंधी नियम अधिक कठोर केले असल्याचे सभेस सांगितले.

त्यानंतर, रिझर्व्ह बँकेने नागरी सहकारी बँकांसाठी लागू केलेल्या पुढील परिपत्रकांची माहिती सभेस दिली.

रिझर्व्ह बँकेने Prompt Correction Action हे Framework Tier II, III & IV वर्गातील नागरी सहकारी बँकांकरिता लागू केले असून, त्याबाबतच्या निकषांची माहिती सभेस देण्यात आली.

- संशयित व बुडीत कर्जावरील तरतूद रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार, नफा-तोटा खाती वर्ग करणे आवश्यक आहे.
- रिझर्व्ह बँकेने नागरी सहकारी बँकांसाठी काही धोरणात्मक बदल केले त्याबद्दल माहिती दिली.

3. रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक तत्वानुसार, मार्च 2026 पर्यंत नागरी सहकारी बँकांना कर्जाचे पुनर्गठन करण्यास सांगितले आहे. त्यानुसार, बँकेच्या एकूण कर्जापैकी 50% कर्ज बँकेच्या Tier - I भांडवलाच्या 0.40% किंवा रु. 25.00 लाख यापैकी जे जास्त असेल इतक्या रकमेची असणे आवश्यक आहे.

4. तसेच, वैयक्तिक कर्जदारास गृहकर्जाची मर्यादा रु. 2.00 कोटी वाढविण्यात आली आहे.

प्रतिवर्षी प्रमाणे सभासदांच्या पाल्यांना सन 2024-25 साठी विद्यार्थी प्राविष्ट्य पुरस्कार जुलै 2025 मध्ये प्रदान करण्यात आला.

यानंतर, मा. अध्यक्षांनी अहवाल वर्षातील आर्थिक परिस्थितीचा आढावा सभेपुढे सादर केला.

आर्थिक वर्षात बँकेने उत्तम कामगिरी केली आहे.

अहवाल वर्षात ठेवींमध्ये रु. 3354.99 कोटी वरुन रु. 3206.99 कोटी इतकी घट झाली. तसेच, कर्जामध्ये मार्जिनल घट झाली असून, मार्च 2025 ला एकूण कर्जे रु. 2073.18 कोटीवरुन रु. 2050.08 कोटी इतकी झाली. कर्जामध्ये झालेली घट ही व्यवसायाच्या दृष्टीने घेतलेला एक अभ्यासपूर्ण निर्णय होता. CRAR चे प्रमाण रिझर्व्ह बँकेच्या निकषानुसार, राखण्यासाठी काही कर्जे रोखण्यात आली.

बँकेच्या मिश्र व्यवसाय दि. 31 मार्च 2024 रोजी रु. 5428.17 कोटी इतका होता तो दि. 31 मार्च 2025 रोजी रु. 5257.07 कोटी इतका झाला आहे.

बँकेच्या निव्वळ नफा रु. 15.98 कोटीवरुन रु. 10.10 कोटी इतका झाला आहे. बँक नफा क्षमता टिकवण्यासाठी सतत प्रयत्न करत असते.

बँकेने CD Ratio 64% एवढा ठेवला आहे. सामान्यतः 60% ते 65% दरम्यानचा CD Ratio चांगला मानला जातो.

नफा जरी कमी झाला असला, तरी BDDR ची तरतूद जास्त केली आहे व त्यामुळे, पीसीआर (Provision Coverage Ratio) मार्च 2025 ला 50% च्या वर ठेवण्यात यशस्वी झालो व तो 51% इतका आहे. अशा आव्हानात्मक परिस्थितीत बँकेच्या व्यवसाय समाधानकारक आहे.

अहवाल वर्षात प्रति कर्मचारी उत्पादकता रु. 9.11 कोटी झाली आहे.

भांडवल पर्याप्तता प्रमाण 11.56% वरुन मार्च 2025 अखेर हे प्रमाण 12.56% इतके झाले आहे.

अनुत्पादित कर्जामध्ये थोडी घट होऊन Gross NPA रु. 143.34 कोटीवरुन रु. 130.58 कोटी इतके झाले. त्याचे प्रमाण 6.91% वरुन 6.37% इतके कमी झाले आहे. निव्वळ अनुत्पादित कर्जाचे प्रमाण 3.77% वरुन 3.23% झाले आहे.

अहवाल वर्षात बँकेला रिझर्व्ह बँकेने कल्याण दीर्घ मुदत दुख्यम रोखे योजना- 4 (LTSB Series - IV) अंतर्गत रु. 30.00 कोटी जमा करण्याकरिता मार्च महिन्यात परवानगी मिळाली. त्यास ग्राहकांचा उत्सुर्कृत प्रतिसाद मिळाला व दीर्घ मुदत दुख्यम रोखे योजना- 4 (LTSB Series - IV) अंतर्गत मार्च अखेर रु. 15 कोटी जमा झाले.

विमा व्यवसायाची माहिती देताना अध्यक्षांनी सांगितले की, बँकेच्या ग्राहकांना सर्वोत्तम कंपन्यांच्या विविध प्रकारच्या विमा सेवांचा लाभ एकाच ठिकाणी घेता यावा याकरीता बँकेने मे. कोटक महिंद्रा लाईफ इन्शुरन्स कंपनी लि. व एस.बी.आय.लाईफ इन्शुरन्स कंपनी लि. यांचेबरोबर जीवन विमा व्यवसायाकरिता, इतर सर्वसाधारण विम्याकरिता दि. न्यू इंडिया ऑश्युरन्स कंपनी लि. तसेच,

आय.सी.आय.सी.आय. लोम्बार्ड जनरल इन्शुरन्स कंपनी लि. यांचे बरोबर करार केला आहे. अहवाल वर्षात, बँकेने आरोग्य विमा क्षेत्रातही प्रवेश केला आहे. बँकेने कॉर्पोरेट एजंट म्हणून स्टार हेत्थ ॲड अलाईड इन्शुरन्स कंपनी तिं. आणि केअर हेत्थ इन्शुरन्स कंपनी तिं. यांच्याशी करार केला आहे. आता ग्राहक एकाच ठिकाणी सर्व प्रकारच्या विमा सेवांचा लाभ घेऊ शकतात.

विम्याच्या या दोन्ही क्षेत्रामध्ये बँकेने सातत्याने व्यवसाय वृद्धी नोंदविलेली आहे. जीवन विम्यापोटी 1315 विमा पॉलिसीतून रु. 744.79 लाख रकमेचे विमा हप्ते, इतर सर्वसाधारण विम्यापोटी 2283 पॉलिसीतून रु. 76.34 लाख इतक्या रकमेचे विमा हप्ते आणि आरोग्य विम्यपोटी 149 विमा पॉलिसीतून रु. 12.19 लाख रकमेचे विमा हप्ते बँकेने अहवाल वर्षात जमा केले. विमा व्यवसायातून बँकेने रु. 145.74 लाख इतके कमिशन मिळविले आहे.

इयता 10 वी, 12 वी व शिष्यवृत्ती परीक्षांमध्ये यश मिळवणा-या सभासदांच्या पात्यांना विद्यार्थी प्राविष्ट पुरस्कार प्रदान करण्यात आले. याबरोबरच, बँक "भारताचार्य वैद्य पुरस्कार" आणि "डॉ. आनंदीबाई जोशी" पुरस्कार असे दोन विशेष पुरस्कार प्रदान करते.

यानंतर, मा. अध्यक्षांनी अहवाल वर्षात बँकेला मिळालेल्या पुरस्कारांची माहिती समेस दिली.

बँकेला वेळोवेळी उत्कृष्ट कामगिरीबद्दल विविध संस्थांकडून पुरस्कार देऊन गौरवण्यात आले आहे. ही बँकेसाठी अभिमानाची आणि सन्मानाची बाब आहे. अहवाल वर्षामध्ये बँकेला पुढीलप्रमाणे पुरस्कार मिळाले आहेत.

१. बँकेला आयकॉनिक लीडर्स अवॉर्ड्स 2024 अंतर्गत '**Best CEO**' आणि '**Best Customer Experience Excellence**' साठी सन्मानित करण्यात आले.
२. बँकेला नेशनल को-ऑपरेटिव बँकिंग समिट (NCBS) आणि फ्रंटियर्स इन को-ऑपरेटिव बँकिंग अवॉर्ड्स (FCBA) यांचेकडून 2023-24 सालाकरिता मोठ्या सहकारी बँकांच्या गटामध्ये '**Best KYC Initiative**' साठी सन्मानित करण्यात आले.
३. बँकेला CREST Infimedia कडून 2024-25 सालाकरिता '**Best Net Interest Income**' साठी पुरस्कार मिळाला.
४. B2B मार्केट मीडिया यांनी 2024-25 सालाकरिता '**Best Digital Bank**' आणि '**Best Cyber Security Initiative**' या श्रेणीमध्ये बँकेला भारतरत्न सहकारिता सन्मानाने पुरस्कृत केले.

'**Best CEO**' अवॉर्ड बँकेचे मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री. अनंत कुलकर्णी व '**Best Young Leadership**' अवॉर्ड सहाय्यक व्यवस्थापक, श्री. स्वप्निल साळुंदे यांना प्राप्त झाला असल्याचे सांगितले.

अहवाल सादर केल्यानंतर मा. अध्यक्षांनी सन 2025-26 या आर्थिक वर्षासाठीचे अंदाजपत्रक समेपुढे मांडले. सन 2025-2026 या वर्षाकरिता ठेवी रु.3300.00 कोटी व कर्जे रु.2200.00 कोटी असे उद्दिष्ट बँकेने ठेवले आहे.

दीर्घकालीन उद्दिष्टानुसार, सन 2030 पर्यंत मिश्र व्यवसाय रु. 6800.00 कोटी करण्याचे उद्दिष्ट आहे. निव्वळ नफा 2026 साली रु. 16.00 कोटी करण्याचे उद्दिष्ट आहे. तर सन 2030 पर्यंत रु. 25.00 कोटीचे उद्दिष्ट ठेवले आहे. CRAR मार्च 2025 अखेर 12.56% इतका आहे त्यात मार्च 2026 अखेर 100 BPS ने वाढ करण्याचे उद्दिष्ट आहे. CRAR रिझर्व बँकेच्या वेळोवेळी देण्यात येणा-या मार्गदर्शक तत्वानुसार, राखणे गरजेचे असते.

मार्च 2025 अखेर ढोबळ अनुत्पादित कर्जाचे प्रमाण 6.37% इतके आहे ते मार्च 2026 अखेर 6% पेक्षा कमी तर मार्च 2030 ला 4% पेक्षा कमी ठेवण्याचे उद्दिष्ट आहे. निवळ अनुत्पादित कर्जाचे प्रमाण मार्च 2025 अखेर 3.23% इतके असून, मार्च 2026 अखेर ते 3% पेक्षा कमी तर 2030 अखेर 0% पर्यंत ठेवण्याचे उद्दिष्ट आहे.

NPA Provision Coverage Ratio मार्च 2025 ला 51% आहे तर मार्च 2026 ला 60% व मार्च 2030 ला 100% पर्यंत नेण्याचे उद्दिष्ट आहे.

पुढे मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, ज्या शाखांचा व्यवसाय कमी प्रमाणात होत आहे त्या शाखा Consolidate करण्याचा बँकेचा मानस आहे. तर सूरत मध्ये अजून एक शाखा चालू करण्याचा विचार आहे.

तंत्रज्ञानात सुधारणा करण्यासाठी बँक प्रयत्न करत असते.

यापुढे, मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, छोटी व चांगली बँक Merge करून घेण्याचा पर्याय बँकेने उपलब्ध ठेवला आहे.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षांनी ठराव क्र. 2 सभेसमोर मांडला.

ठराव क्र. 2 : मा. संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2025 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल, मा. अध्यक्ष, श्री. यशवंत पांगारकर यांनी सभेपुढे मांडला. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

मा. अध्यक्ष, श्री. यशवंत पांगारकर यांनी आर्थिक वर्ष 2025-26 चे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले. तसेच, बँकेची वार्षिक योजना आणि बँकेच्या दीर्घकालीन व्यवसाय दृष्टीकोनाबद्दल माहिती सभेस दिली. त्यास ही सभा मंजुरी देत आहे.

सूचक : नाव : भावसार भास्कर काशीनाथ सभासद क्र. : 21698

अनुमोदक : नाव : गणेश मधुसुधन ठोसर सभासद क्र. : 87896

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षांनी मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांना पुढील ठराव मांडण्यास सांगितले.

विषय क्र. 3 : वैधानिक लेखापरीक्षकांनी तपासलेला दि. 31.03.2025 रोजीचा ताळेबंद, नफा-तोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल स्वीकृत करणे. तसेच, मागिल वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाच्या दोषदुरुस्ती अहवालाची नोंद घेणे.

मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी विषयास सुरुवात करताना वैधानिक लेखापरीक्षक मे. मुकुंद ऐम. चितले अॅण्ड कंपनीच्या वतीने सी. ए. रमेश सौंदर्ळकर आणि अंतर्गत लेखापरीक्षक सी.ए. धनंजय गोखले, मे. किर्तन अॅण्ड पंडीत यांच्यावतीने उपस्थित श्री. अभय जोशी यांचे स्वागत केले.

तसेच, बँकेचे माजी अध्यक्ष, श्री. मोहन आघारकर, मा. डॉ. वसंत काणे तसेच, डोंबिवली नागरी सहकारी बँकेचे मा. अध्यक्ष, सी.ए.उदय कर्वे, हितचिंतक व सहकारी यांचे स्वागत केले.

उपस्थित सर्व सभासद व खातेदारांचे कल्याण दीर्घ मुदत दुर्यम रोखे योजनेस भरभरून प्रतिसाद दिल्याबद्दल अभिनंदन केले.

चार्टड अकाउंटंट, श्री. उदय कर्वे, ॲड. पाटील, पत्रकार, भानुशाली आणि श्री. गोविंद भावे यांनी आर्थिक विवरण पत्रासंदर्भात काही प्रश्न विचारले आहे आणि बँकेचे कौतुक देखील केले आहे. त्यास समर्पक उत्तरे बँकेकडून पाठविण्यात आली आहेत.

विषय मांडताना मा. डॉ. वैदेही दप्तरदार मँडम यांनी सभेस सांगितले की, NPA च्या दृष्टीकोनातून कोणतीही त्रुटी निघालेली नाही. तसेच केलेली तरतूद ही कायम ठेवण्यात आली. CRAR 12.56% आणि CD Ratio 60% वरुन 64% वर नेण्यात बँक यशस्वी झाली आहे. ही वैशिष्ट्ये मा. संचालिका, डॉ. दप्तरदार यांनी सभेपुढे मांडली.

यानंतर, कर्जावरील व्याज व गुंतवणूकीवरील व्याज ही दोन मुख्य उत्पादनाची साधने आहेत असे सांगितले. कर्जावरील उत्पन्न (Yield) मागिल वर्षी 9.81% वरुन 9.85% झाली आहे. गुंतवणूकीवरील उत्पन्नामध्ये मागिल वर्षी 6.38% वरुन 6.42% इतकी वाढ झाली आहे.

कर्ज आणि ठेवींवरील व्याजदर ठरवताना रिझर्व्ह बँकेचे मार्गदर्शक तत्वे, इतर बँकेचे व्याजदर व बँकेची आर्थिक परिस्थिती याचा तौलानिक विचार केला जातो.

बँक वेगवेगळ्या प्रकारचे विमा पॉलिसी देत आहेत. त्याबद्दलची अधिक माहिती सभासदांनी / खातेदारांनी शाखेतून घ्यावी असे आवाहन सभेस केले. यानंतर बँकेच्या खर्चात झालेल्या वाढीचा तपशील सभेस संगण्यात आला. एकूण खर्चात वाढ झाली असली तरी काही संभाव्य खर्च कमी करण्यास बँकेला यश आले असून रु. 4.22 कोटीचे इतर खर्च बँकेने कमी केले आहेत.

विषय मांडून झाल्यावर मागिल वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाच्या दोषदुरुस्ती अहवालाची माहिती सभेस दिली. भारतीय रिझर्व्ह बँकेने नागरी सहकारी बँकांना अंतर्गत लेखापरीक्षणाच्या संदर्भात मार्गदर्शक तत्वे जारी केली आहेत. रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशांनुसार, जोखीम आधारित अंतर्गत लेखापरीक्षण प्रणाली (RBIA) बँकेने लागू केली असून, त्यासंदर्भातील सॉफ्टवेअरद्वारे सर्व शाखांचे जोखीम आधारित अंतर्गत लेखापरीक्षण बँक करीत आहे. याच बरोबर Cyber Security Audit, KYC Audit, EDP Audit, समवर्ती लेखापरीक्षण, गुंतवणूक, तसेच तंत्रज्ञान विषयक लेखापरीक्षण इत्यादी तपासण्या बँक बाह्य लेखापरीक्षक / अंतर्गत तपासणी विभाग यांचे मार्फत वेळोवेळी करून घेत असते. रिझर्व्ह बँक ॲफ इंडियाकडून त्यांचे तपासणी विभागाद्वारे बँकेचे दरवर्षी परीक्षण व तपासणी केली जाते. वरील सर्व परीक्षणे व तपासण्यामध्ये नमूद केलेल्या त्रुटींचे निराकरण करून दोषदुरुस्ती अहवाल दप्तरी घेतले जातात.

Property Tax Receipt, LEI Certificate, Clearance of Statutory Dues, सातबारा उत्ता-यावर बँकेचे चार्ज नोंदविणे, Completion / OC Certificate, Hypothication Charge नोंदविणे, CERSAI Search, Post Disbursement Visit, Recovering Bank Charges, use of current account अशा प्रकारच्या त्रुटींची पूर्तता करावी असे अहवालात नमूद केले होते. सदर त्रुटींची बँकेने पूर्तता केली आहे.

विषय मांडून झाल्यावर बँकेचे सभासद, श्री. अरुण शिंपी (चित्ते) यांनी कर्जापासूनचे उत्पन्न कमी होणे व कर्ज का कमी केली गेली असा प्रश्न उपस्थित केला.

यावर, उत्तर देताना मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार मँडम यांनी सांगितले की भांडवल पर्याप्तता CRAR वे प्रमाण योग्य ते राखण्यासाठी बँकेने घेतलेला तो एक निर्णय होता. पुढे श्री. अरुण शिंपी यांनी कोणत्या प्रकारची कर्ज कमी केली असा प्रश्न उपस्थित केला.

त्यावर, बँकेतून प्रत्येक क्षेत्रातील कर्जाच्या मर्यादेनुसार, कर्जे दिली जातात. परंतु, भांडवल पर्याप्तता प्रमाण योग्य राखण्यासाठी घोरणात्मक निर्णय घेऊन कर्जे मंजुरी करण्यात आली. पुढे मा. संचालक, सी.ए.सचिन आंबेकर यांनी सभेस सांगितले की मागिल काही वर्ष बँक अभ्यासपूर्ण निर्णय घेऊन व्यवसाय करीत आहे व त्यानुसार, व्यावसायिक निर्णय घेऊन काही कर्जे रोखण्यात आली. बँकेकडे कर्जाचा ओघ अत्यंत चांगला आहे.

श्री. मारुती हरी पाटील यांनी सर्वांचे अभिनंदन केले व त्यांनी नफा वाटणीमधील पुढील वर्षासाठी शिल्लक रक्कम कमी करून लाभांश जास्त देता आला असता असे मांडले. या प्रश्नास उत्तर नफा वाटणीचा ठराव मांडताना देण्यात येईल असे मा. अध्यक्षांनी सभेस सांगितले.

सभासद क्र. 87332, श्री. जनार्दन लक्ष्मण सोनावणे यांनी एकूण कर्जे रु. 2050.08, त्यापैकी 10% Unsecured Loans आणि NPA रक्कम रु. 130.00 कोटी म्हणजे 65% NPA आहे. त्यावर मा. संचालक, सी.ए. सचिन आंबेकर यांनी सांगितले की रु. 130.00 कोटी NPA हे Total Advances पैकी आहेत. जे 6.37% होतात. रु. 130.00 कोटी NPA हे पूर्ण Unsecured पैकी नाहीत आणि Balance Sheet चा Format हा Banking Regulation Act, 1949 नुसार असल्यामुळे, तशा प्रकारे अहवालामध्ये माहिती दिली आहे. हे स्पष्टीकरण देताना मा. संचालक, सी.ए. सचिन आंबेकर यांनी NPA च्या तरतुदी संदर्भात देखील माहिती दिली.

बँकेचे सभासद, सभासद क्र. 55261, श्री. उत्तम देशमुख यांनी Security Guards कमी केल्याबद्दल विचारणा केली. त्यावर उत्तर देताना मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी Surveillance System बसविल्याची माहिती दिली व ती System Security च्या दृष्टीने सक्षम असल्याचे वर्तविले.

तसेच, सभासद क्र. 69590, श्री. तुषार दंडवते यांनी Printing & Stationery चा खर्च कमी करण्यासाठी E statement पाठविण्याचे सुचविले. त्यांनी आपल्या Net Banking च्या सुविधेबाबत नाराजी व्यक्त केली. त्यानंतर, तसेच गेली 5 वर्षे हाच Problem असल्याचे सांगितले. प्रत्येक Transaction ला एक ते दीड मिनिट लागते. कदाचित यामुळे बँकेची Investment कमी झाली आहे का? बँक ऑफ बडोदा व बँक ऑफ महाराष्ट्रमध्ये Transaction ला काही सेकेंद लागतात आपण टेक्नॉलॉजीवर खर्च करता पण Productivity दिसत नाही. मार्केटमध्ये रहाण्यासाठी Producttivity पाहिजे असे सांगितले.

तसेच कर्मचा-यांची उत्पादकता वाढविण्यासाठी Professional Bonus देण्याचे सुचविले. त्यावर, सौ. दप्तरदार मॅडम यांनी नजिकच्या काळात तंत्रज्ञानात सुधारणा होतील असे सांगितले. पुढे श्री. दंडवते यांनी IT वर होणा-या खर्चाविषयी साशंकता व्यक्त केली.

त्यावर, मा. अध्यक्षांनी, बँक टेक्नॉलॉजी Upgradation करत असल्याचे सांगितले.

मा. संचालक, सी.ए.सचिन आंबेकर यांनी सभासद, श्री. तुषार दंडवते यांनी साशंकता व्यक्त करणे चुकीचे आहे असे सांगितले.

त्यावर, श्री. दंडवते यांनी दिलगीरी व्यक्त केली.

त्यानंतर, मा. संचालक, सी.ए.सचिन आंबेकर यांनी Hardware वर केलेल्या खर्चाविषयी माहिती दिली व तो खर्च नवीन तंत्रज्ञानावर आधारित हार्डवेअर उभारणीसाठी असल्याचे स्पष्ट केले.

बँकेने भविष्याचा विचार करून हार्डवेअर खरेदी केले आहे. बँकेची DC Site नवी मुंबई तर DR Site हैदराबाद येथे कार्यान्वित केली आहे. इंटरनेट बँकिंगमध्ये रिचव हे कुठल्याही बँकेच्या मालकीचे नसतात. रिझर्व्ह बँकेच्या मान्यताप्राप्त संरथांचे असतात. बँक इंटरनेट वेगवेगळ्या सर्विस प्रोव्हायडरकडून घेते. त्याला रिझर्व्ह बँकेचे मापदंड असतात. त्याचे सातत्याने ऑडिट होत असते.

बँकेने या सर्व निकषांची पूर्तता केली असल्याचे सांगितले. दोन इंटरनेट असूनही कधीकधी कनेक्शन मिळत नाही. रस्त्यांच्या कामामुळे, BSNL ची Line तुटते, त्यास बँक काही करु शकत नाही कारण BSNL बँकेच्या मालकीचे नाही. गेल्या वर्षी हार्डवेअरचा नवीन सेटअप बसाविला आहे. इंटरनेट बंद हा विषय बँकेच्या नियंत्रणातला नाही. रिझर्व्ह बँकेच्या मापदंडानुसार, बँकेने लेव्हल- III सिक्युरिटीचे पालन केले आहे. रिझर्व्ह बँकेने ते तपासून योग्य असल्याचे सांगितले आहे.

पुढे त्यांनी कर्ज खात्यांचा विमा काढण्याविषयी विचारणा केली. त्यावर मा. संचालक, सी.ए.सचिन आंबेकर यांनी उत्तर दिले की IRDA च्या नियमानुसार, कोणताही कर्जदार विमा घेण्यास बांधिल असू शकत नाही व तशी बँकेला सक्ती करता येत नाही जिथे शक्य आहे तिथे बँक विमा करवून घेते असे स्पष्ट केले.

सभासद क्र. 47201, श्री. सुरेश वसंत शिसोडे यांनी ते 2013 पासून बँकेत सभासद आहे. परंतु, एकदाही मतदानात सहभाग घेण्याची संधी मिळाली नाही किंवा त्यांना मतदानासाठी बँकेचे SMS येत नसल्याचे सांगितले. Cyber Security व टेक्नॉलॉजीवर बँकेने खूप Investment केली आहे. बँकेला अवॉर्डही मिळाले आहेत. श्री. दंडवते सरांचा प्रश्न Efficiency वर होता. Mobile App / Internet Banking इतर बँकांप्रमाणे Fast किंवा चांगले का चालत नाही अशी त्यांनी विचारणा केली. मा. संचालक, श्री. आंबेकर यांनी उत्तर देताना availability वर उत्तर दिले पण प्रश्न Efficiency वर होता यावर उत्तर मिळावे असा प्रश्न उपरिस्थित केला.

त्यावर, मा. अध्यक्षांनी SMS संदर्भात शाखेत संपर्क साधावा असे सांगितले.

पुढे उत्तर देताना मा. संचालक, श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी सांगितले की, मा. संचालक, श्री. आंबेकर यांनी या विषयावरील दिलेली उत्तरे सद्य परिस्थितीला अनुसरुन आहेत. नेट बँकिंगच्या Efficiency संदर्भात त्यांनी सांगितले की Nationalised किंवा Commercial बँका किंवा Co-operative बँका असतील तर प्रत्येकाचे IT Infrastructure असते. IT Infrastructure मध्ये रिझर्व्ह बँकेच्या येणा-या Compliaence मुळे रोज बदल होत असतात. बँकर्स, सीए व ऑफिटर्स यांना या विषयात सतत अपडेट असाव लागत. त्या अनुंगाने, गेल्या 5 वर्षात ARC च्या तरतुदीमुळे, बँकेची जी परिस्थिती आहे ती सर्वांना माहित आहे. तरीही बँकेने रिझर्व्ह बँकेचा Compliance करण्यासाठी DR Site जी कल्याणात जनता भवन येथे व DC Site जी पुण्याला होती ते दुसरीकडे Relocate केले आहेत व यात Cost Efficiency मिळवली आहे व सगळ्या तरतुदींची रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार, पूर्तता केली आहे. बँकेचे हार्डवेअर 100% Complied आहे व त्यासंदर्भातील कोणतेही Issues नाहीत.

IT मधील दुसरा विषय म्हणजे सॉफ्टवेअर सॉफ्टवेअरमध्ये अनेक बँका अनेक विषयावर झगडत आहेत. Efficiency व Compliance संदर्भातील विषय आहेत या विषयावर आपली बँकही काम करत आहे. मा. संचालक मंडळाने 4 जणांची विशेष IT समिती स्थापन केली आहे. ज्या सहकारी बँकांनी बँकिंग सॉफ्टवेअर बदलले अशा काही सहकारी बँकांकडून याबाबत माहिती घेतली असता, त्यांना देखील कामकाज सुरक्षीत होण्यास सुमारे 3 ते 4 वर्षांचा कालावधी लागला असे समजले. त्यामुळे, मगाशी जो प्रश्न उपरिस्थित झाला की, 5 वर्ष तेच उत्तर दिले हे काही अंशी खरे असले तरी संचालक मंडळ व बँक या विषयावर काम करत आहे. मा. सभासद माहितीसाठी जर वेळ काढून मुख्य कार्यालयात आले तर याबाबत बँकेकडून जे प्रयत्न होत आहेत ते समजतील. संचालक मंडळ दर आठवड्याला बैठक घेऊन बँकेचे सॉफ्टवेअर Upto the mark करसे नेता येईल या बाबत प्रयत्न करत आहे. सॉफ्टवेअर बदलीकरणे सोपे नाही. Costing ही महत्वाचे आहे. बँकेला सर्व तरतुदी कराव्या लागतात. RBI Compliance, सभासदांना लाभांश देणे तसेच Staff Cost व इतर

गोष्टी लक्षात घेऊन बँक सॉफ्टवेअर बदलण्याचा विचार करत आहे पण त्यासाठी 3 ते 4 वर्षांचा कालावधी अपेक्षित आहे.

यानंतर, श्री. जगदिश विद्पर यांनी गृहकर्जावरील व्याजदर आगाऊ सूचना किंवा पत्र न देता वाढवला याबाबत विचारणा केली व Write off केलेल्या खात्यांविषयी माहिती द्यावी असे विचारले. तसेच, स्टेट बँक हे Write off बाबत यादी जाहीर करते. तसेच Reliance व इतर बाबतही माहिती मिळते असे सांगितले.

यावर, मा. संचालक, श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी त्यावर स्पष्ट केले की Reliance रिझर्व बँकेच्या नियमांतर्गत येत नाही. कर्ज Write off केले म्हणजे माफ केले असे नाही. यावर्षी Write off खात्यात बँकेने रु. 2.53 कोटी एवढी वसुली केली आहे. गेल्या वर्षी कोणतेही थकीत कर्जखाते Write off केले नाही. गेल्या 3 ते 4 वर्षात रु. 7 ते 8 कोटी, तसेच, या वर्षी रु. 2.53 कोटी Write off खात्यात वसूल केले आहेत.

थकीत कर्जखाते Write off करण्याचा फायदा म्हणजे, Write off मधील वसुली नफा-तोटा खाती वर्ग होते. बँक Balance Sheet साठी आवश्यक त्या सर्व गोष्टी करत असते.

प्रत्येकाला कुठूनही कर्ज घेण्याची वैयक्तिक मुभा आहे. आपली बँक सर्व Shareholders व Stakeholders यांना सेवा देत आहे. त्यातून कुणाला वाईट अनुभव आला तर त्याचे बँक म्हणून आम्हालाही वाईट वाटते. पण यात सुधारणा करायची की चर्चा हा ज्याचा त्याचा प्रश्न आहे. श्री. विद्पर यांनी सांगितलेल्या गोष्टींची सभेने नोंद घेतली असून, ते फोन करून बँकेत आले तर संचालक मंडळापैकी उपरिथित संचालक त्यांच्या शंकांचे निराकरण करतील. Write off केलेल्या खात्यांची माहिती बँक देऊ शकत नाही. परंतु, Write off केलेल्या खात्यांना कर्ज माफ केले जाते असे नाही. त्यात कायद्याच्या तरतुदीनुसार, वसुली करण्यात येते असे स्पष्ट केले.

पुढे सभासद, श्री. निलेश सारंग यांनी NPA मुळे Profit आणि Divident कमी होत असल्याचे मांडले. तसेच नफा कमी होण्यामागची कारणे स्पष्ट करावित असे सांगितले.

तसेच, सभासद क्र. 22108, सभासद, श्री. मुकुंद टिकेकर यांनी Internet सुविधांबाबत काही सूचना केल्या. ठेवींवरील व्याजदर वाढविण्याचा विचार करावा असे संचालक मंडळास सुचिविले.

वरील दोन्ही प्रश्नांबाबतचा खुलासा मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार मँडम यांनी दिलेल्या माहितीमध्ये समाविष्ट असल्याचे सांगितले.

त्यानंतर, सभासद प्रज्ञा कुलकर्णी मँडम यांनी बँकेच्या सर्व सेवा व Internet च्या सुविधांबाबत समाधान व्यक्त केले व बँकेच्या सर्व कर्मचा-यांच्या सेवेतील तत्परतेबद्दल आभार मानले. तसेच Internet संदर्भात त्यांनी सांगितले की, बँकेला BSNL चे Internet घ्यावे लागते, दुसरे घेऊ शकत नाही.

यावर, मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, BSNL Network Compulsory नाही बँक दुसरेही इंटरनेट घेऊ शकते.

सभासद क्र. 82687, ॲड. मनोज मोटवानी यांनी Write off केलेल्या कर्जाची वसुली करण्याकरिता असलेल्या कायद्यातील तरतुदींची माहिती दिली. त्याची नोंद घेण्यात आली.

सभासद, श्री. भास्कर भावसार यांनी नफा कमी झाला आहे व खर्चात वाढ झाली आहे. तसेच संशयित बुडीत कर्जासाठीची तरतूद नफा कमी दाखविण्यासाठी केली आहे का असे विचारले.

त्यावर, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी सांगितले की श्री. भावसार यांच्या प्रश्नांची उत्तरे आधी दिली आहेत.

सभासद, श्री. अरुण शिंगी (चित्ते) यांनी डी.एस.कुलकर्णी यांना दिलेल्या कर्जाबदल प्रश्न उपरिथत केला.

त्यावर, मा. संचालक, सी.ए.सचिन आंबेकर यांनी सांगितले की मागिल सभेत आवश्यक माहिती ज्येष्ठ संचालकांनी दिलेली आहे. त्यावर आता माहिती देता येणार नाही.

यानंतर, श्री. उत्तम देशमुख यांनी मिर्टींगला येताना। card सक्तीचे का करता असे विचारले. Message दाखविल्यावर प्रवेश देण्यास काय हरकत आहे. त्यामुळे थोडा गोंधळ होतो.

यावर, मा. उपाध्यक्षांनी असे सांगितले की, सभेस येताना। card आणणे गरजेचे आहे कारण ओळखपत्र आणणे हा शासनाचा नियम आहे.

सभासद, श्री. उदय कर्वे यांनी Disputed Statutory Contingent Liability मध्ये समावेश व्हावा याची काळजी घ्यावी असे सांगितले.

त्यावर, मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी, श्री. कर्वे यांच्या सूचनांची नोंद घेण्यात येत आहे असे सांगितले.

यापुढे मा. संचालिका, सौ. वैदेही दप्तरदार मँडळ यांनी ठराव क्र. 3 सभेपुढे मांडला.

ठराव क्र.3: वैधानिक लेखापरीक्षक मे. मुकुंद एम. यितळे ॲण्ड कंपनी यांनी तपासलेला दि. 31.03.2025 रोजीचा ताळेबंद, तसेच दि. 31.03.2025 अखेरचे नफातोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी सभेपुढे मांडला व समजावून सांगितला. त्यास ही सभा स्वीकृत करीत आहे.

तसेच, 2023-24 या आर्थिक वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाचा दोषदुरुस्ती अहवाल मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : मोटवानी मनोज कन्ह्यालाल सभासद क्र. 82687

अनुमोदक : नाव : जस्वतलाल हिरालाल शहा सभासद क्र. 14551

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, पुढील विषय म्हणजेच नफा- तोटा वाटणी पत्रक मा. संचालक, श्री. पंकज दांडेकर यांनी सभेपुढे मांडला. पुढील वर्षासाठी जी शिल्लक आहे त्यापैकी 3.90 कोटी लाभांश देण्यास संचालक मंडळाने शिफारस केली आहे.

विषय क्र. 4 : संचालक मंडळाने सुचवलेल्या सन 2024-25 सालच्या नफा वाटणीस मंजुरी देणे.

मा.संचालक, श्री. पंकज दांडेकर यांनी सभेस सांगितले की, आर्थिक वर्ष 2024-25 करीता बँकेचा निव्वळ नफा रु. 10.10 कोटी इतका झाला आहे. मा. संचालक मंडळाने शिफारस केलेली नफा वाटणी त्यांनी सभेपुढे मांडली.

(रक्कम रुपये)

| | |
|--------------|---------------------|
| निव्वळ नफा | 10,09,86,380 |
| मागील शिल्लक | 3,97,59,050 |
| एकूण | 14,07,45,430 |
| वाटणी | |

| | |
|-----------------------------|---------------------|
| राखीव निधी (25%) | 2,53,00,000 |
| सर्वसाधारण मुक्त निधी (10%) | 1,01,00,000 |
| लाभांश (2023-24) | 3,70,37,111 |
| सभासद कल्याण निधी | 15,00,000 |
| नॅशनल को-ऑप. शिक्षण निधी | 10,00,000 |
| धर्मादाय निधी | 10,00,000 |
| पुढील वर्षासाठी शिल्लक | 6,48,08,319 |
| एकूण | 14,07,45,430 |

आर्थिक वर्ष 2024-25 करीताचा निव्वळ नफा रु. 10,09,86,380/- झाला आहे. मा. संचालक मंडळाने वरीलप्रमाणे रु. 3.90 कोटी लाभांश वाटणीस शिफारस केली आहे.

तसेच, धर्मादाय निधीचे वितरण करण्याबाबतचे अधिकार संचालक मंडळास देण्यास शिफारस करीत आहे.

रिझर्व्ह बँकेने मंजूर केलेल्या PNCPS वरील लाभांशही रु. 3.90 कोटीमध्ये समाविष्ट आहे.

त्यावर, आपले सभासद, श्री. उदय कर्व यांनी National Cooperative Education Fund साठी लागणारी तरतूद ही 1% असावी अशी सूचना केली.

त्यानंतर, यासंदर्भातील ठराव क्र. 4 मांडण्यात आला.

ठराव क्र.4: आर्थिक वर्ष 2024-25 करीताचा निव्वळ नफा रु. 10,09,86,380/- झाला आहे. मा. संचालक मंडळाने पुढीलप्रमाणे नफा वाटणीस शिफारस केली आहे. ती मा. संचालक, श्री. पंकज दांडेकर यांनी सभेसमोर मांडली. सदर नफा वाटणीस ही सभा मंजुरी देत आहे. तसेच धर्मादाय निधीचे वितरण करण्याबाबतचे अधिकार संचालक मंडळास देण्यास ही सभा मंजुरी देत आहे.

| | |
|-----------------------------|---------------------|
| निव्वळ नफा | 10,09,86,380 |
| मागील शिल्लक | 3,97,59,050 |
| एकूण | 14,07,45,430 |
| वाटणी | |
| राखीव निधी (25%) | 2,53,00,000 |
| सर्वसाधारण मुक्त निधी (10%) | 1,01,00,000 |
| लाभांश (2023-24) | 3,70,37,111 |
| सभासद कल्याण निधी | 15,00,000 |
| नॅशनल को-ऑप. शिक्षण निधी | 10,00,000 |
| धर्मादाय निधी | 10,00,000 |
| पुढील वर्षासाठी शिल्लक** | 6,48,08,319 |
| एकूण | 14,07,45,430 |

**ICAI ने AS - 4 दि. 01 एप्रिल, 2017 पासून लागू केले आहे. त्यानुसार बँकेने सन 2024-25 च्या आर्थिक पत्रकात 'प्रस्तावित लाभांश' ₹ 3,90,00,000/- देणी या सदरात न दर्शविता, शिल्लक नफ्यामध्ये अंतर्मूळ केला आहे. रिझर्व्ह बँकेने मंजूर केलेल्या PNCPS योजनेनुसार (offer document), सन 2024-25 ची लाभांश रक्कम ₹ 1,34,000/- 'प्रस्तावित लाभांश' रकमेमध्ये समाविष्ट केली आहे.

सूचक : नाव : अनिरुद्ध भगवंत मांडे सभासद क्र. 10828
 अनुमोदक : नाव : जालंदर सुर्यवंशी सभासद क्र. 80507
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षांनी पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. संचालक, श्री. मकरंद केळकर यांना विनंती केली.

विषय ५ : सन 2025-26 या आर्थिक वर्षासाठी वैधानिक लेखापरीक्षकांची पुनर्नेमणूक करण्याचा व त्यांचा मेहेनताना ठरविण्याचा अधिकार बँकेच्या संचालक मंडळास देणे.

मा. संचालक, श्री. मकरंद केळकर यांनी सुरवातीस याविषयीची माहिती सभासदांना दिली. वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीसंदर्भात भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 27.04.2021 रोजीच्या परिपत्रकाद्वारे मार्गदर्शक सूचना दिल्या आहेत. त्यानुसार, वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीस / पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेची पूर्वपरवानगी आवश्यक आहे. परवानगी प्राप्त झाल्यानंतर सलग तीन वर्षापर्यंत त्याच फर्मची पुनर्नेमणूक बँकेला करता येते. दरवर्षी 31 जुलै पूर्वी वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकी / पुनर्नेमणूकीचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठवावा लागतो. सबब, सन 2025-26 करीता आपण मे. मुकुंद एम. चितळे ॲण्ड कं. या फर्मची वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पुनर्नेमणूक करण्याचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठविला आहे.

सभासद, मा. उदय कर्वे यांनी ऑडिटर सोबत चर्चा करून NPA मधील Loss asste write off करावेत अशी सूचना केली.

त्यानंतर, यासंदर्भातील ठराव क्र. 5 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. ५: मल्टीस्टेट सहकारी कायदा 2002 च्या कलम 70 आणि सध्या लागू असलेल्या इतर तरतुदीनुसार, सन 2025-26 साठी वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून मे. मुकुंद एम. चितळे ॲण्ड कं. यांची पुनर्नेमणूक करण्यात यावी अशी शिफारस संचालक मंडळाने केली आहे. बँकिंग नियमन कायदा, 1949 मधील तरतुदीनुसार, मे. मुकुंद एम. चितळे ॲण्ड कं. यांची पुनर्नेमणूक करण्याबाबतचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे मंजुरीसाठी पाठविला आहे. मा. संचालक, श्री. मकरंद केळकर यांनी सदर प्रस्ताव सभेसमोर मांडला. ठराव करण्यात येतो की, रिझर्व्ह बँकेच्या मान्यतेनंतर, मे. मुकुंद एम. चितळे ॲण्ड कं. यांची सन 2025-26 करीता बँकेचे वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पूनर्नेमणूक करण्यास तसेच नियमानुसार, त्यांचा मेहेनताना ठरविण्याचे अधिकार ही सभा संचालक मंडळास देत आहे. वैधानिक लेखापरीक्षकांचा नेमणूक कालावधी रिझर्व्ह बँकेच्या मंजुरीच्या तारखेपासून ते पुढील वर्षाच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेपर्यंत राहिल.

सूचक : नाव : उदय म. कर्वे सभासद क्र. 43043
 अनुमोदक : नाव : प्रमोद वसंत भानुशाली सभासद क्र. 43146
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षांनी पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांना विनंती केली.

विषय क्र. ६: बँकेचे व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेची मंजुरी मिळाली असल्याची नोंद घेणे.

मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांनी सुरवातीस सदर विषयाबाबतची सविस्तर माहिती सभासदांना दिली. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या नेमणूकीसंदर्भात भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 04.08.2024 रोजीच्या सर्वसाधारण सभेत व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य

कार्यकारी अधिकारी यांच्या पुनर्नेमणूक / नेमणूकीचा प्रस्ताव भारतीय रिझर्व्ह बँकेकडे मान्यतेसाठी पाठविण्यात आला आहे असे सांगितले होते. सभने त्याची नोंदही घेतली होती.

यास अनुसरुन, रिझर्व्ह बँकेने दि. 29.08.2024 रोजी श्री. अनंत नारायण कुलकर्णी यांची दि. 31.07.2027 पर्यंत बँकेचे व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी म्हणून पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेने दि. 29.08.2024 रोजी मंजुरी कळविली आहे.

त्यानंतर, मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांनी यासंदर्भातील ठराव क्र. 6 सभेसमोर मांडला.

ठराव क्र.6: श्री. अनंत नारायण कुलकर्णी यांची बँकेचे व्यवस्थापकीय संचालक आणि मुख्य कार्यकारी अधिकारी म्हणून पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेने दि. 29.08.2024 रोजी मंजुरी कळविली आहे. रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचनानुसार, हा विषय या वार्षिक सर्वसाधारण सभेत नोंद घेण्याकरिता मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांनी सादर केला. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : अरुण ओ. चित्ते सभासद क्र. 7274

अनुमोदक : नाव : भास्कर का. भावसार सभासद क्र. 21694

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, विषयपत्रिकेवरील पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक, श्री. शशिकांत आंधळे यांना सांगितले.

विषय क्र.7: संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाची नोंद घेणे.

52 वर्षांपूर्वी सुरु झालेल्या आपल्या बँकेला दूरदृष्टी असलेले संचालक लाभले आणि काही निर्बंध नसतानाही बँकेच्या स्थापनेपासून बँकेच्या संचालकांनी बँकेतून स्वतः करीता कोणत्याही प्रकारचे कर्ज न घेण्याचे तसेच कोणालाही जामिनदार म्हणून न राहण्याचे निर्बंध घालून घेतले आहेत व आजवर ते पाळले आहेत. संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जबदलची सविस्तर माहिती अहवालातील पान क्र. 17 वर दिली आहे असे मा. संचालक, श्री. शशिकांत आंधळे यांनी सांगितले. त्यासंदर्भात पुढीलप्रमाणे ठराव मांडला.

एका सभासदांनी प्रश्न उपरिस्थित केला की संचालक व त्यांच्या नातेवाईकांना कोणत्याही प्रकारचे कर्ज दिलेले नाही पण ते सभासदांना कर्जे कळणार कारण कर्जदारांची यादी बँक प्रस्तुत करत नाही.

यावर, रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक तत्वानुसार, कोणत्याही संचालकांना कर्ज दिलेले नाही असे मा. अध्यक्षांनी सभेस सांगितले.

त्यानंतर, मा. संचालक, श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी असे सांगितले की, रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार, बँकेच्या संचालकांना दरवर्षी रिझर्व्ह बँकेच्या निकषांनुसार, जे जवळचे नातेवाईक आहेत त्यांचा तपशील पॅन व आधार कार्ड नंबर सकट द्यावा लागतो. नातेवाईक जिथे काम करतात त्या संस्थांना / खात्यांना कर्ज दिलेले आहे का नाही हे सर्व रिझर्व्ह बँकेला कळवणे गरजेचे असते. त्यानुसार, बँक संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांच्या कर्जाचा तपशील रिझर्व्ह बँकेला कळवते.

बँकेचे अंतर्गत लेखापरीक्षक, वैधानिक लेखापरीक्षक तसेच रिझर्व्ह बँकेचे Inspecting Officials या गोष्टी Physically तसेच Online तपासतात. ही रिझर्व्ह बँकेची सिस्टम आहे. काही बँकांना हे न पाळल्यामुळे, Penalty लागलेली आहे. रिझर्व्ह बँकेने हा नियम खूप उशीरा लागू केला पण आपल्या बँकेत सुरुवातीपासूनच संचालक व त्यांचे नातेवाईक कर्ज घेत नाहीत. या बदलचा विश्वास त्यांनी सभेस दिला. सभासदांनी त्यांचे स्वागत केले.

त्यानंतर, यासंदर्भातील ठराव क्र. 7 मांडण्यात आला.

ठराव क्र.7: संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबाबतचा ठराव मा. संचालक, श्री. शशिकांत आंधळे यांनी सभेपुढे मांडला.

संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांनी कोणत्याही प्रकारचे कर्ज आपल्या बँकेतून घेतले नाही. त्यामुळे, त्यांची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी नाही, याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : जनार्दन सोनावणे सभासद क्र. 87332
 अनुमोदक : नाव : आशा राजेंद्र शिरुडे सभासद क्र. 69041
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी, मा. संचालिका, ॲड. संपदा कुळकर्णी यांना सांगितले.

विषय क्र. 8 :या सर्वसाधारण सभेस अनुपरिस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपरिस्थिती क्षमापित करणे.

बहुराज्यीय सहकारी कायदा 2002 मध्ये पात्र व अपात्र सभासदांबाबतचे निकष दिले आहेत. त्यातील एक निकष म्हणजे सलग तीन वर्ष वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपरिस्थित असलेले सभासद हे अपात्र सभासद ठरतात व पात्र सभासदांना मिळणा-या सवलती / लाभ त्यांना मिळू शकत नाहीत. अनुपरिस्थित सभासदांची अनुपरिस्थिती, सभेस उपरिस्थित असलेल्या सभासदांनी क्षमापित केल्यास असे सभासद या कारणामुळे अपात्र ठरत नाहीत.

केवळ सभेस अनुपरिस्थित या कारणाने, सभासद अपात्र होऊ नयेत, यासाठी हा ठराव आहे. तरी अशा सभासदांची अनुपरिस्थिती क्षमापित करावी असा प्रस्ताव मा. संचालिका, ॲड. संपदा कुळकर्णी यांनी सभेपुढे मांडला.

त्यानंतर, यासंदर्भातील ठराव क्र. 8 मांडण्यात आला.

ठराव क्र.8 : या वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपरिस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपरिस्थिती क्षमापित करण्याचा ठराव मा. संचालिका, ॲड. संपदा कुळकर्णी यांनी सभेपुढे मांडला.

या सभेस अनुपरिस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपरिस्थिती ही सभा क्षमापित करीत आहे.

सूचक : नाव : उत्तम मारुती देशमुख सभासद क्र. 55261
 अनुमोदक : नाव : रामनाथ पाराजी निरगुडे सभासद क्र. 2205
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षांनी, मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांना आभार प्रदर्शन करण्याची विनंती केली.

मा. उपाध्यक्ष, श्री. मंगेश पाटील यांनी सभेकरिता उपरिस्थित सर्व सभासदांचे आभार मानले. बँकेचे सर्व खातेदार, ठेवीदार, बँकेचे सर्व हितवितक, उपरिस्थित माजी संचालक या सर्वांचे संचालक मंडळ आभारी आहे. सर्व संस्थापक संचालक, सदस्य योग्याबद्दल कृतज्ञता व्यक्त केली. सभेत मंजूर केलेल्या ठरावांकरिता सूचक, अनुमोदक यांचे आभार मानले. तसेच, सभेत उपरिस्थित असलेले DNS बँकेचे माजी अध्यक्ष, श्री. कर्वे, श्री. भोळे व सौ. मेघना आंबेकर यांचे देखील आभार मानले. बँकेचे वैधानिक लेखापरीक्षक, मे. मुकुंद एम. चितळे ॲण्ड कं. व मुख्य अंतर्गत लेखापरीक्षक,

सी.ए.धनंजय गोखले यांचे आभार मानले. बँकेच्या बोर्ड ऑफ मॅनेजमेंटवर सदरस्य असलेले, रिझर्व्ह बँकेचे निवृत्त अधिकारी, श्री. विवेक घळसासी, डॉ. बिपिनचंद्र वाडेकर, ॲड. अशिवन जोगळेकर यांचे मोलाचे मार्गदर्शन बँकेला मिळते, त्याबद्दल आभार व्यक्त केले. बँकेच्या वार्षिक अहवालाच्या छपाईचे काम करणा-या प्रिंटिंग प्रेस, नवरंग बँचवेट हॉलचे मालक व व्यवस्थापक, समेच्या कामकाजाचे चित्रिकरण करणारे छायाचित्रकार, श्री. श्रीनिवास लेले, सिक्युरिटी गार्ड्स, अनंत हलवाई या सर्वांना धन्यवाद दिले. बँकेच्या कर्मचारी संघटना व अधिकारी असोसिएशन तसेच, ज्या कर्मचा-यांनी सभा यशस्वी करण्याकरिता मेहनत घेतली त्यांच्याप्रती आभार व्यक्त केले. तसेच, त्यानंतर त्यांनी उपस्थित पोलीस अधिका-यांचे देखील विशेष आभार मानले.

यानंतर, मा. अध्यक्षांनी सभेची सांगता झाल्याचे जाहीर केले.

व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

अध्यक्ष